



TODAY'S ANALYSIS

(आज का विश्लेषण)

(27 February 2025)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के 'परिसीमन' को लेकर दक्षिण के राज्य क्यों चिंतित हैं?
- क्वांटम कंप्यूटिंग क्षेत्र में माइक्रोसॉफ्ट के सफलता के दावों का महत्व
- संकटग्रस्त प्रजाति, घड़ियालों के संरक्षण में मध्य प्रदेश अग्रणी राज्य
- MCQ

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India) -



लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के 'परिसीमन' को लेकर दक्षिण के राज्य क्यों चिंतित हैं?

चर्चा में क्यों है?

- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 26 फरवरी को तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों की लंबे समय से चली आ रही आशंकाओं - अगर



नवीनतम जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर परिसीमन किया जाता है तो संसद में प्रतिनिधित्व खो देंगे - को दूर करते हुए कहा कि परिसीमन के बाद दक्षिण के राज्यों को "एक भी सीट" नहीं गंवानी पड़ेगी।

- उल्लेखनीय है कि दोनों क्षेत्रों की अलग-अलग सामाजिक-आर्थिक स्थितियों के कारण, दक्षिण भारत में जनसंख्या की वृद्धि उत्तर की तुलना में बहुत धीमी रही है। ऐसे में आशंका व्यक्त की जाती है कि, यदि नवीनतम जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर परिसीमन किया जाता है, तो उत्तर के राज्यों को दक्षिण की तुलना में संसद में बहुत अधिक सीटें मिलेंगी।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



परिसीमन क्या होता है और इसकी प्रक्रिया क्या है?

- परिसीमन एक संवैधानिक जनादेश Population-wise seat ratio was broadly equitable after last delimitation

है, और इसका अर्थ है लोकसभा
और विधानसभाओं के लिए प्रत्येक
राज्य में सीटों की संख्या और
प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएँ

States	1961 Population	1967 Seats	Population/Seat Ratio	1971 Population	1976 Seats	Population/Seat Ratio
Uttar Pradesh	7,01,43,635	85	8,25,219	8,38,48,797	85	9,86,456
Bihar	3,48,40,968	53	6,57,377	4,21,26,236	54	7,80,115
Rajasthan	2,01,55,602	23	8,76,331	2,57,65,806	25	10,30,632
Tamil Nadu	3,36,86,953	39	8,63,768	4,11,99,168	39	10,56,389
Kerala	1,69,03,715	19	8,89,669	2,13,47,375	20	10,67,369
India	43,92,34,771	520	8,44,682	54,81,59,652	542	10,11,365

तय करने की प्रक्रिया। संविधान के अनुच्छेद 82 और 170 में प्रावधान है कि प्रत्येक जनगणना के बाद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में सीटों की संख्या और साथ ही प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में इसके विभाजन को फिर से समायोजित किया जाएगा। यह 'परिसीमन प्रक्रिया' संसद के एक अधिनियम के तहत स्थापित 'परिसीमन आयोग' द्वारा की जाती है।

- उल्लेखनीय है कि 1976 तक, प्रत्येक भारतीय जनगणना के बाद, पूरे देश में लोकसभा, राज्यसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों का पुनर्वितरण किया जाता था। 1951, 1961 और 1971 की जनगणनाओं के आधार पर ऐसा तीन बार हुआ।
- आपातकाल के दौरान पारित संविधान के 42वें संशोधन ने 2001 की जनगणना तक संसदीय और राज्य विधानसभा सीटों की कुल संख्या को स्थिर कर दिया।

ADDRESS:



ऐसा इसलिए किया गया ताकि जनसंख्या वृद्धि की उच्च दर वाले राज्य संसद में प्रतिनिधित्व खोए बिना परिवार नियोजन उपायों को लागू कर सकें।

- 2001 में, निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को बदल दिया गया था। लेकिन लोकसभा में प्रत्येक राज्य की सीटों की संख्या और राज्यों की विधानसभाओं की ताकत वही रही।

दक्षिण के राज्य परिसीमन को लेकर क्यों घबराए हुए हैं?

- प्रायद्वीपीय भारत के राज्यों को लगता है कि नवीनतम जनसंख्या डेटा के आधार पर परिसीमन से संसद में उनका प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा और इस तरह उनकी राजनीतिक ताकत कम हो जाएगी।
- सितंबर 2023 में, महिला आरक्षण विधेयक पर संसद में बहस के दौरान - जिसका कार्यान्वयन परिसीमन प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है - DMK नेता कनिमोङ्गी ने तमிலनாடு के मुख्यमंत्री ऎम के स्टालिन का एक बयान पढ़ा। इसमें कहा गया था, "...यदि परिसीमन जनसंख्या जनगणना पर होने जा रहा है, तो यह दक्षिण भारतीय राज्यों के प्रतिनिधित्व को कम कर देगा... तमिलनாடு के लोगों के मन में डर है कि हमारी आवाज़ को कमज़ोर किया जाएगा"।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



- वहीं अक्टूबर 2024 में, अपने राज्य में बढ़ती वृद्धि आबादी पर चिंता व्यक्त करते हुए, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने घोषणा की थी कि उनकी सरकार परिवारों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु कानून बनाने पर विचार कर रही है।

परिसीमन को लेकर जनसंख्या डेटा क्या कहता है?

- उल्लेखनीय है कि परिसीमन के बाद प्रत्येक राज्य को मिलने वाली सीटों की संख्या उस आधार औसत जनसंख्या पर निर्भर करेगी जो परिसीमन आयोग के गठन के बाद आएगी। उदाहरण के लिए, 1977 की लोकसभा में, भारत में प्रत्येक सांसद ने औसतन 10.11 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व किया था। जबकि हर निर्वाचन क्षेत्र में एक ही जनसंख्या होना असंभव है, यह वांछनीय है कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र की जनसंख्या इस औसत के आसपास ही हो।
- अब यदि 10.11 लाख का औसत बरकरार रखा जाता है, तो लोकसभा की कुल संख्या लगभग 1,400 हो जाएगी (स्वास्थ्य मंत्रालय के 2025 के लिए जनसंख्या

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



अनुमान के आधार पर)। इसका मतलब यह भी होगा कि उत्तर प्रदेश (उत्तराखण्ड सहित) लोकसभा में अपनी सीटों की संख्या को लगभग तीन गुना बढ़ा देगा, 85 से 250 तक। राजस्थान के लिए प्रतिशत वृद्धि और भी अधिक होगी, जिसकी संख्या 25 से 82 तक बढ़ जाएगी। लेकिन तमिलनाडु का हिस्सा 39 से बढ़कर केवल 76 हो जाएगा जबकि केरल का हिस्सा 20 से 36 हो जाएगा - जो कि राज्यों के वर्तमान हिस्से के दोगुने से भी कम है।

- चूंकि नई संसद में केवल 888 सीटें हैं, इसलिए इस फॉर्मूले को बनाए रखने की संभावना नहीं है।
- अब यदि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र की जनसंख्या 20 लाख रखी जाती है, तो संसद में वर्तमान में 543 की तुलना में 707 सीटें होंगी। दक्षिणी राज्य अभी भी काफी नुकसान में रहेंगे। तमिलनाडु को न तो सीटें मिलेंगी और न ही कम होंगी, जबकि केरल को दो सीटें गंवानी पड़ेंगी। लेकिन उत्तर प्रदेश (उत्तराखण्ड सहित) में अब 126 सीटें होंगी, जबकि बिहार (झारखण्ड सहित) में 85 सीटें होंगी।

चुनावों पर इसका क्या असर होगा?

- दक्षिण के क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस पार्टी को लगता है कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन से उत्तर के राज्यों में आधार रखने वाली भाजपा जैसी पार्टियों के पक्ष में चुनाव को प्रभावित कर सकता है।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



- उल्लेखनीय है कि 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में भाजपा के उदय के बाद, कांग्रेस उत्तर के राज्यों में खराब प्रदर्शन कर रही है। वर्तमान में जब कांग्रेस के पास संसद में 99 सीटें हैं। कांग्रेस ने कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल, तेलंगाना और तमिलनाडु में कुल मिलाकर 53 सीटें जीती हैं।



ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)

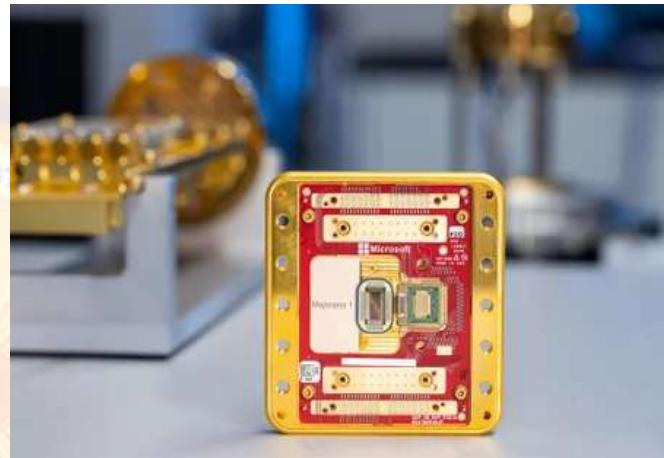


क्वांटम कंप्यूटिंग क्षेत्र में माइक्रोसॉफ्ट के सफलता के दावों का

महत्वः

परिचयः

- माइक्रोसॉफ्ट ने पिछले सप्ताह क्वांटम कंप्यूटिंग में सफलता का दावा किया है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की तरह ही एक उत्सुकता से प्रतीक्षित तकनीक है, जो वर्तमान तकनीकों की क्षमताओं से परे कार्य करने का वादा करती है। उल्लेखनीय है कि कंपनी ने कहा कि वह एक नई चिप बनाने में सफल रही है जो दशकों से सार्थक क्वांटम कंप्यूटर के विकास को कुछ वर्षों में तेजी से आगे बढ़ाएगी।
- माइक्रोसॉफ्ट ने दावा किया है कि उसने क्वांटम कंप्यूटर में संग्रहीत और संसाधित किए जाने वाले डेटा की मूल इकाई, 'क्यूबिट' (क्वांटम बिट्स का संक्षिप्त रूप) बनाने का एक नया तरीका खोज लिया है।



ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



माइक्रोसॉफ्ट का 'मेजराना 1': दुनिया का पहला क्वांटम चिप

- माइक्रोसॉफ्ट ने 'मेजराना 1' पेश किया, जो दुनिया का पहला क्वांटम चिप है जो एक नए 'टोपोलॉजिकल' कोर आर्किटेक्चर द्वारा संचालित है, जिससे उसे उम्मीद है कि क्वांटम कंप्यूटर दशकों नहीं बल्कि सालों में सार्थक, औद्योगिक-पैमाने की समस्याओं को हल करने में सक्षम होंगे।
- माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि जिस तरह से सेमीकंडक्टर के आविष्कार ने आज के स्मार्टफोन, कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक्स को संभव बनाया है, उसी तरह टोपोकंडक्टर और उनके द्वारा निर्मित नए प्रकार के चिप क्वांटम सिस्टम विकसित करने का मार्ग प्रदान करते हैं, जो दस लाख क्यूबिट तक स्केल कर सकते हैं और सबसे जटिल औद्योगिक और सामाजिक समस्याओं से निपटने में सक्षम हैं।
- अगर यह दावा सही साबित होता है, तो यह न केवल क्वांटम कंप्यूटिंग में, बल्कि भौतिकी में भी एक बड़ा मील का पत्थर बन सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इन क्यूबिट को बनाने की प्रक्रिया में एक भौतिक स्थिति (क्वांटम स्थिति) के साथ काम करना शामिल है जिसे सैद्धांतिक रूप से संभव माना जाता है लेकिन कभी हासिल नहीं किया गया है।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



टोपोकंडक्टर क्या होता है?

- टोपोकंडक्टर एक ऐसी सामग्री है जो पदार्थ की एक नई अवस्था बना सकती है, जिसे 'टोपोलॉजिकल' अवस्था कहा जाता है, जो ठोस, तरल और गैसों से अलग होती है।
- Microsoft ने क्वांटम कंप्यूटिंग चिप बनाने के लिए 'टोपोकंडक्टर' का उपयोग किया है। टोपोकंडक्टर इंडियम आर्सेनाइड (एक अर्धचालक) और एल्यूमीनियम (एक सुपरकंडक्टर) से बने होते हैं। जब परम शून्य के करीब इसे ठंडा किया जाता है और चुंबकीय क्षेत्र के संपर्क में आता है, तो सामग्री मेजराना जीरो मोड्स (MZMs) होस्ट करती है। MZM एलियन क्वासिपार्टिकल्स हैं जो क्यूबिट्स या क्वांटम बिट्स के निर्माण खंड हैं।
- उल्लेखनीय है कि टोपोकंडक्टर सामग्रियों का एक सफल वर्ग है जो Microsoft को टोपोलॉजिकल सुपरकंडक्टिविटी बनाने की अनुमति देगा। यह पदार्थ की एक नई अवस्था है जो पहले केवल सिद्धांत में मौजूद थी।

क्वांटम कंप्यूटिंग क्या है?

- क्वांटम कंप्यूटर सिर्फ़ अगली पीढ़ी के सुपरफास्ट कंप्यूटर नहीं हैं। ये जिस तरह से काम करते हैं, जिस तरह से वे जानकारी को संभालते और प्रोसेस करते हैं, और

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



यहाँ तक कि जिस तरह से वे दिखते हैं, उसमें भी ये बहुत अलग हैं। इन्हें उन बहुत ही खास गुणों का उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो परमाणु से भी छोटे छोटे कण प्रदर्शित करते हैं। इस तरह की एक प्रॉपर्टी सुपरपोजिशन है, या एक क्वांटम कण की एक ही समय में कई अवस्थाओं में मौजूद रहने की क्षमता।

क्वांटम कंप्यूटर में सुपरपोजिशन प्रॉपर्टी उपयोग:

- इस प्रॉपर्टी का उपयोग क्वांटम कंप्यूटर में गणनाओं को सुपरचार्ज करने के लिए किया जाता है, जिस तरह से पारंपरिक कंप्यूटर करने में असमर्थ हैं। पारंपरिक कंप्यूटर में, डेटा को अरबों छोटे ट्रांजिस्टर के माध्यम से संग्रहीत और संसाधित किया जाता है, जो एक समय में केवल एक बिट जानकारी (0 या 1) को संभाल सकते हैं।
- क्वांटम कंप्यूटर डेटा को प्रोसेस करने के लिए इलेक्ट्रॉन या अन्य समान कणों का उपयोग करते हैं। सुपरपोजिशन इन कणों, या क्यूबिट्स को एक ही समय में 0 और 1 दोनों अवस्थाओं में रहने की अनुमति देता है। वास्तव में, वे एक साथ 0 और 1 के हर संयोजन में मौजूद हो सकते हैं। अन्य क्यूबिट के साथ इंटरेक्शन एक तरह की समानांतर प्रोसेसिंग की अनुमति देता है जो सामान्य कंप्यूटर में

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



संभव नहीं है, जहाँ डेटा प्रोसेसिंग एक बार में एक चरण में होती है, भले ही बिजली की गति से हो।

क्वांटम कंप्यूटिंग से जुड़ी चुनौतियाँ:

- हालाँकि, क्वांटम कंप्यूटिंग को कुछ बड़ी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है।
• पहली बड़ी चुनौती है, क्यूबिट की स्थिरता बनाए रखना। उल्लेखनीय है कि किसी कण का क्वांटम व्यवहार उस समय सामान्य व्यवहार में बदल जाता है जब सिस्टम को देखा या मापा जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि माप या अवलोकन का कोई भी कार्य इन अत्यंत सूक्ष्म प्रणालियों को परेशान किए बिना संभव नहीं है। कोई अन्य बाहरी गड़बड़ी, जैसे तापमान या दबाव में विचलन, भी सिस्टम को ध्वस्त कर देता है।
- दूसरी चुनौती परिणाम की अखंडता से संबंधित है। एक क्यूबिट की कई स्थितियाँ कई परिणामों की ओर ले जाती हैं, जिनमें से केवल एक ही वांछनीय है। क्वांटम कंप्यूटर को लाखों अन्य संभावनाओं के बजाय यह सही परिणाम देना भी एक चुनौती है। किसी भी क्यूबिट में होने वाली गड़बड़ी से गणना में त्रुटियाँ हो सकती हैं, और एल्गोरिदम को इनके लिए सुधार करने की आवश्यकता होती है, जिसके

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



लिए, बदले में, कई और क्यूबिट की आवश्यकता होती है। क्यूबिट जितने अधिक स्थिर होंगे, त्रुटियाँ उतनी ही कम होंगी।

माइक्रोसॉफ्ट के क्वांटम कंप्यूटर क्षेत्र में किये गए दावे का महत्व:

- माइक्रोसॉफ्ट ने कहा है कि इसकी नई प्रक्रिया के माध्यम से बनाए गए क्यूबिट अधिक लचीले हैं और स्केलेबिलिटी, त्रुटि निर्माण और त्रुटि सुधार के मामले में वैकल्पिक प्लेटफॉर्म की तुलना में महत्वपूर्ण प्रगति करते हैं। इसने यह भी कहा है कि इससे कुछ वर्षों के भीतर एक 'मिलियन-क्यूबिट सिस्टम' बनाने का रास्ता खुल जाता है। जबकि अन्य तरीकों का उपयोग करने वाले क्वांटम कंप्यूटर मुश्किल से 1,000-क्यूबिट सिस्टम तक पहुंच पाए हैं।
- उल्लेखनीय है कि क्वांटम कंप्यूटर को सार्थक बनाने और वास्तविक दुनिया की समस्याओं पर काम करना शुरू करने के लिए, उन्हें एक मिलियन या दस मिलियन क्यूबिट सिस्टम को नियंत्रित और संचालित करने की आवश्यकता है।
- भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु के प्रोफेसर अरिंदम घोष के अनुसार, "त्रुटि सुधार की आवश्यकता के कारण मौजूदा सिस्टम में एक मिलियन भौतिक क्यूबिट मोटे तौर पर कुछ हजार (त्रुटि-सुधारित) तार्किक क्यूबिट तक कम हो जाएंगे। अगर

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



माइक्रोसॉफ्ट जो दावा कर रहा है वह सही है और क्यूबिट की गुणवत्ता वाकई बेहतर है, तो उम्मीद है कि त्रुटियां कम होंगी और भौतिक से तार्किक क्यूबिट का यह अनुपात बहुत अधिक होगा। इससे क्वांटम कंप्यूटर के विकास में काफी प्रगति होगी"। हालांकि उन्होंने कहा कि घोषणा को लेकर संदेह भी समझ में आता है।



ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



संकटग्रस्त प्रजाति, घड़ियालों के संरक्षण में मध्य प्रदेश अग्रणी

राज्य:

परिचय:

- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पिछले सप्ताह मुरैना स्थित राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभ्यारण्य में



- 10 घड़ियालों को चंबल नदी में छोड़ा, जो कि एक अत्यंत संकटग्रस्त प्रजाति है।
- उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के दशकों पुराने संरक्षण प्रयासों ने इसे "घड़ियाल राज्य" का खिताब दिलाया है, जहां भारत के 80 प्रतिशत से अधिक घड़ियाल पाए जाते हैं।

घड़ियाल क्या हैं और वे क्यों महत्वपूर्ण हैं?

- घड़ियाल गैविलिस गैंगेटिक्स की एक प्रजाति है - लंबी थूथन वाला, मछली खाने वाला मगरमच्छ प्रजाति।
- 'घड़ियाल' नाम हिंदी शब्द घड़ा से आया है, जो वयस्क नर की बल्बनुमा थूथन की नोक को संदर्भित करता है, जो एक उल्टे बर्तन जैसा दिखता है। भारतीय पौराणिक

ADDRESS:



कथाओं में, घड़ियाल का पवित्र महत्व है, जिसे अक्सर देवी गंगा के दिव्य वाहन के रूप में दर्शाया जाता है। उनके पतले थूथन, जिनमें कई नुकीले, आपस में जुड़े हुए दांत होते हैं, मछलियों को फंसाने के लिए अनुकूलित होते हैं, जो उनके आहार का मुख्य आधार है।

- नर घड़ियाल 3-6 मीटर तक, और मादा 2.6-4.5 मीटर तक बड़े हो सकते हैं। रेत के टीले, और रेत के द्वीप उनकी पारिस्थितिकी के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो धूप सेंकने और घोंसला बनाने के लिए पसंदीदा स्थान हैं। मार्च से मई तक, जब नदी का जलस्तर घटता है, तो मादा घड़ियाल खुले रेत के टीलों और द्वीपों पर सामूहिक रूप से घोंसला बनाने के लिए चढ़ जाती हैं, जिसमें से कई एक ही क्षेत्र में अंडे देती हैं। अंडे सेने के बाद पहले कुछ दिनों तक मादाएं इनकी देखभाल करती हैं।
- घड़ियाल नदी के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे सड़े हुए मांस को साफ करते हैं।

घड़ियालों को किन खतरों का सामना करना पड़ रहा है?

- घड़ियालों के सामने आने वाले ऐतिहासिक खतरों में खाल, ट्रॉफी, अंडे और पारंपरिक दवा के लिए अत्यधिक शिकार शामिल हैं।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



- आधुनिक चुनौतियों - बांध निर्माण, सिंचाई नहरें, गाद, नदी के मार्ग में परिवर्तन, तटबंध, रेत खनन, प्रदूषण और मछली पकड़ना - आबादी को तबाह कर रही हैं। विशेष रूप से गिल जाल, सभी आकार के घड़ियालों को मारते हैं, यहाँ तक कि संरक्षित क्षेत्रों में भी।

घड़ियालों के संरक्षण के क्या प्रयास किये गए हैं?

- 1975 और 1982 के बीच, भारत ने 16 कैप्टिव प्रजनन और रिहाई केंद्र और पाँच घड़ियाल अभ्यारण्य स्थापित किए। आज, घड़ियाल प्रजाति मुख्य रूप से पाँच शरणस्थलों में जीवित है: राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण्य (NCS), कतरिन्याघाट अभ्यारण्य, चितवन राष्ट्रीय उद्यान, सोन नदी अभ्यारण्य और सतकोसिया गॉर्ज अभ्यारण्य।
- इसके संरक्षण प्रयासों में कैप्टिव प्रजनन कार्यक्रम शामिल हैं, जिसमें हैचलिंग को पालना और नदी में वापस छोड़ना, आबादी की निगरानी करना, रेत खनन जैसे खतरों का सक्रिय रूप से प्रबंधन करना और स्थानीय समुदायों को आवास संरक्षण और जागरूकता अभियानों में शामिल करना शामिल है।
- एक एमपी वन्यजीव अधिकारी ने कहा कि सबसे बड़े उपाय "मजबूत नदी संरक्षण, बेहतर पर्यावरण प्रबंधन, रेत के टीले की बहाली और सामुदायिक भागीदारी" हैं।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



घड़ियालों की सुरक्षा के लिए मध्य प्रदेश क्या कर रहा है?

- मध्य प्रदेश में भारत में सबसे ज्यादा घड़ियाल हैं, 2024 की गणना के अनुसार अभ्यारण्य में 2,456 घड़ियाल दर्ज किए गए हैं। मध्य प्रदेश के वन्यजीव अधिकारियों ने कहा कि यह उपलब्धि दशकों के संरक्षण कार्य का परिणाम है, और 1950 और 1960 के दशक के बीच घड़ियाल की आबादी में 80 प्रतिशत से अधिक की राष्ट्रीय गिरावट के बाद।
- वैशिक स्तर पर, घड़ियाल की आबादी में 1997 तक लगातार सुधार देखा गया, लेकिन 1997 और 2006 के बीच, संख्या में 58% की गिरावट आई, जो 436 वयस्कों से घटकर 182 हो गई, जैसा कि 2007 के एक शोध पत्र में बताया गया है।
- वन्यजीव शोधकर्ताओं ने कहा है कि म्यांमार और भूटान में यह प्रजाति विलुप्त होने की संभावना है।

चंबल अभ्यारण्य का घड़ियालों के संरक्षण के लिए महत्व:

- राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण्य, जिसे राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल वन्यजीव अभ्यारण्य भी कहा जाता है, 5,400 वर्ग किलोमीटर का त्रि-राज्य संरक्षित क्षेत्र है, जो गंभीर रूप से लुप्तप्राय घड़ियाल, लाल मुकुट वाले कछुए और गंगा नदी डॉल्फिन का घर है।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



यह राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के त्रिबिंदु के पास चंबल नदी पर स्थित है।

- उल्लेखनीय है कि चंबल अभ्यारण्य अन्य जगहों पर घड़ियालों की आबादी को पुनर्जीवित करने में भी सहायक रहा है। 1960-70 के आसपास पंजाब की नदियों से घड़ियाल गायब हो गए थे। 2017 में चंबल के देवरी घड़ियाल केंद्र से घड़ियालों को पंजाब भेजा गया था। 2018 में 25 घड़ियाल सतलुज नदी में भेजे गए और 2020 में 25 घड़ियाल ब्यास नदी में भेजे गए।



ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



MCQs

1. चर्चा में रहे लोकसभा के निर्वाचन क्षेत्रों के 'परिसीमन' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक संवैधानिक जनादेश है, जिसके बारे में प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 82 के तहत निर्धारित है।
2. देश में 'परिसीमन प्रक्रिया' का संचालन 'भारतीय निर्वाचन आयोग' द्वारा किया जाता है। उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
 - (a) केवल 1
 - (b) केवल 2
 - (c) 1 और 2 दोनों
 - (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(a)

2. निम्नलिखित किस/किन संविधान संशोधन अधिनियम के द्वारा 1971 की जनगणना के आधार पर संसदीय और राज्य विधानसभा सीटों की कुल संख्या को स्थिर कर दिया गया?

- (a) 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा
- (b) 84वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2001 द्वारा
- (c) 84वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 द्वारा
- (d) उपर्युक्त सभी अधिनियमों के द्वारा।

Ans:(d)

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



3. चर्चा में रहे 'मेजराना 1' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह दुनिया का पहला क्वांटम चिप है जो एक नए 'टोपोलॉजिकल' कोर आर्किटेक्चर द्वारा संचालित है।
2. इससे उम्मीद है कि क्वांटम कंप्यूटर दशकों नहीं बल्कि सालों में ही सार्थक, औद्योगिक-पैमाने की समस्याओं को हल करने में सक्षम होंगे।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(c)

4. भारत में संकटग्रस्त घड़ियाल प्रजाति के उल्लेखनीय संरक्षण प्रयास के लिए निम्नलिखित

किस राज्य को "घड़ियाल राज्य" का खिताब प्राप्त है?

- (a) उत्तर प्रदेश
- (b) मध्य प्रदेश
- (c) राजस्थान
- (d) बिहार

Ans:(b)

ADDRESS:



5. चर्चा में रहे 'क्वांटम कंप्यूटर' प्रौद्योगिकी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. क्वांटम कंप्यूटर में गणनाओं को करने के लिए क्वांटम कणों की सुपरपोजिशन प्रॉपर्टी का उपयोग किया जाता है।
2. क्वांटम कंप्यूटर को वास्तविक दुनिया की समस्याओं पर काम करना शुरू करने के लिए, कम से काम एक मिलियन क्यूबिट सिस्टम को नियंत्रित और संचालित करने की आवश्यकता है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(c)

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)